



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

26/12/88

सं. 135]
No. 135]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 6, 1988/आषाढ़ 15, 1910
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 6, 1988/ASADHA 15, 1910

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन की रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

याणिष्ठ मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 23 आई टी सी (पी एन)/88-91

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 1988

विषय:— 1987-88 वर्ष के लिए 600 मिलियन घन की जापानी
अनुदान सहायता के अधीन आयात से उर्वरक (डी ए पी) के
आयात के लिए साहसोत्प्रेरण।

(मि. सं. आई पी सी/23 (41)/85-88 :— 1987-88 वर्ष के
लिए 600 मिलियन घन की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत आयात
से उर्वरक (डी ए पी) के आयातों को प्रोत्साहित करने वाले शर्तों की प्रत्युत
सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई है, जानकारी के लिए अधिसूचित
की जाती है।

राजीव मोहन मिश्र, मुख्य नियंत्रक,
आयात-नियंत्रण

रमेश चंद्र, संयुक्त मुख्य नियंत्रक,
आयात-नियंत्रण

याणिष्ठ मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 23 आई टी सी (पी एन)/
88 दिनांक 6 जुलाई, 1988 का उपाबंध

1987-88 के लिए 600 मिलियन घन (6000,000,000 घन)
की जापानी अनुदान सहायता के अधीन आयात से भारत में परतनों के
लिए उर्वरक (डी ए पी) के परिवहन के लिए (ए) उर्वरक (डी ए पी)
और (ख) आवश्यक सेवाओं के आयात के लिए साहसोत्प्रेरण।

खंड — 1 सामान्य शर्तें

1. (1) 1987-88 के लिए 600 मिलियन घन (एलएच अ
याइ) की जापानी अनुदान सहायता का उद्देश्य भारत में परतनों के
उर्वरक (डी ए पी) और इसके परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं
आयात के लिए जापानी संस्करणों की भुगतान के अंतर्गत के लिए

1. (2) उर्वरक का आयात खुले सामान्य लाइसेंस सं. 6
दिनांक 12-4-85 के अधीन है।

1. (3) उर्वरक (डी ए पी) इस अनुदान सहायता के अधीन
आयात से ही अधिप्राप्त किया जाना चाहिए।

1. (4) नीचिया में मकब आधार पर अर्थात् बैंक आरक इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोतलवान बस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। उनमें मुद्राओं को अर्थात् के लिए भी इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिए :—

“मुद्रा 15-3-1989 तक पूर्ण की जानी है”

1. (5) संविदा का मूल्य (केवल लागत तथा भाड़ा के आधार पर) घेन में बर्साया जाना चाहिए (घोर घेन की भिन्न को हटाया जाना चाहिए) और यदि कोई हो तो आन्तरिक अधिकारों का कमीशन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। भारतीय रुपये का अर्थात् किसी मुद्रा में केटों का मुख्य किसी भी परिस्थिति में अतिरिक्त नहीं होना चाहिए। अतः पदम निशुल्क लागत बीमा भाड़ा और भाड़ा धनराशि अलग-अलग प्रदर्शित की जा सकती है, परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट देनी चाहिए कि भाड़े का खर्च वास्तविक आधार पर देय होगा या ठेके में निर्दिष्ट किए गए भाड़े का खर्च वास्तविक खर्च के अतिरिक्त देय धनराशि होगी।

1. (6) कब संविदा केवल जापानी रक्षकों अथवा राष्ट्रियों द्वारा नियंत्रित जापानी मूल व्यक्तियों के साथ की जानी चाहिए।

अनु-2 संभरक ठेकों में निम्नलिखित शर्तें विशेष रूप से समाविष्ट होनी चाहिए :—

2. (1) 1987-88 के लिए 600 मिलियन घेन की अनुमान सहायता से सम्बद्ध इस संविदा की व्यवस्था 21 अप्रैल, 1988 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2. (2) विदेशी संभरकों को भुगतान उस “भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र” (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1987-88 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक आरक इंडिया, टोकियो के नाम से सहायता एवं सेवा परीक्षा निर्देशक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग यू सी ओ बैंक लिमिटेड, पालिमाथेड स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

2. (3) जापानी संभरक ऐसी सूचना और बस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी और जापान सरकार द्वारा अर्थात् हो।

2. (4) जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के पारदर्शक से पोत सवाग की व्यवस्था करने की तैयार है और उसके लिए संबंधित माल की मुद्राओं के कार्यक्रम की भारतीय दूतावास, टोकियो की सूचना देगा और अर्थात् पोत परिवहन के लिए उः सहायता पहले ही भारतीय दूतावास, टोकियो को प्रविष्टित करवायेगा जिससे उचित व्यवस्था की जाए। विशेष मामलों में, जहाँ भारतीय आयातक यह चाहता हो, अतिरिक्त की अर्थात् कम की जा सकती है। आवश्यक स्थिति में हुए प्रत्येक पोतलवान के बाद जापानी संभरक को आयातक को केवल सूचना अर्थात् के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

अनु-3 भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुमोदन

3. (1) जैसे ही आदेशों को अंतिम रूप से बिदे जाते हैं, लाइसेंस-धारी को दोनों पार्टियों द्वारा निश्चित हस्ताक्षरित ठेके की पांच प्रतियां जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा बिदे गए कब आदेश के साथ जापानी संभरक द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण अर्थात् की बार प्रतियां 1 सप्ताह प्रकार से पूर्ण फोटो दो प्रतियों के साथ अनुमोदन-1 के प्रपत्र में ए/पी जारी करने के अर्थात् की प्रतियों सहित अर्थात् सचिव (टो सी) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रतियां संविदा की विषय पक्ष या उतकी कीमत के

आवरण अर्थात् से उत्पन्न सभी संविदा तमोसों के लिए भी लागू होगी।

3. (2) वित्त मंत्रालय (पी डी ए) जापान अनुभाग 1987-88 के लिए 600 मिलियन घेन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तवाय देने के लिए संविदा की दो प्रतियां जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा, और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित बस्तावेजों का एक-एक सेट भेजा जाएगा परीक्षा निर्देशक और भारत के दूतावास टोकियो को भी भेजा जाएगा।

3. (3) जापान सरकार ने ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग नार्थ ब्लॉक उतकी सूचना यू सी ओ बैंक लिमिटेड, संभव भाई, नई दिल्ली-1 को देगा जो कि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक आरक इंडिया टोकियो को अनुमोदन-2 के अनुसार एक “भुगतान प्राधिकार पत्र” (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत का दूतावास, टोकियो आयातक भारत में आयातक के बैंक और और संभरक अर्थात् कार्य विभाग जापान अनुभाग को भेजी जाएगी।

3. (4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आरक इंडिया टोकियो जापान सरकार, भारत का राजदूतावास टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता सेवा एवं सेवा परीक्षा निर्देशक को सूचना देने हुए इस प्राप्ति की सूचना से संभरक को अवगत कराएगा।

3. (5) पोतलवान करने के बाद जापानी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से (ए/पी) में उल्लिखित बस्तावेज बैंक आरक इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि बस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आरक इंडिया टोकियो बस्तावेजों में उल्लिखित जापानी संभरक को अपने बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा।

3. (6) जापानी संभरक को भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक आरक इंडिया टोकियो को बैंक अर्थात् भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में आयातक से संबंध बैंक द्वारा बैंक आरक इंडिया, टोकियो को घन वरेणय करके निर्धारित किया जाएगा।

अनु-4 कबमा जमा करने का उत्तर-दायित्व

4(1) मूल वित्तिय घेन परिवहन बस्तावेज निरपवाद रूप से बैंक आरक इंडिया टोकियो द्वारा भारत में आयातक के संबंध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक को अनुमोदन-1 के “अ” में उल्लिखित है, की शाखा होगी उत बैंक को बस्तावेजों के बिदेमय सेट केवल इन पांच का सुनिश्चित कर लेने के बाद ही संबंध आयातक को बिदे अर्थात् कि जापानी संभरक को मुकाई गई घेन भुगतान की धनराशि के बराबर धनराशि उत घातकों में जहाँ बिदे योग्य है धनराशि के खर्च सहित संभरक को भुगतान कर दिया है और उत धनराशि पर विदेशी संभरक को बैंक आरक इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रूपमा जमा करने की तिथि तक ही अर्थात् पर पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से और शेष अर्थात् के लिए 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से हिसाब लगाकर धनराशि सार्वजनिक भुजना सं. 31 आईटीसी (पोएन)/83, दिनांक 10-8-83 और सं. 35 आईटीसी (पोएन)/83, दिनांक 26-8-83 के अनुसार सरकारी लेखा में जमा कर दिया गया है। धनराशि दोनों दिनों, अर्थात् जिस दिन जापानी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखों में धनराशि जमा किया जाता है के लिए देय है। देखिए सार्वजनिक सूचना सं. 103 आईटीसी (पोएन)/76, दिनांक 12-10-76 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आईटीसी (पोएन)/74, दिनांक 31-5-1974 भुजना की घेन भुगतान की धनराशि के बराबर धनराशि को गणना करने के लिए अर्थात् आने वाली विविध दर मुख्य निर्यात, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं. 8-आईटीसी

(पोएन) 76, दिनांक 17-1-76 में निम्नोक्त मुद्रा विनियम को विधित कर होगी या वह कर होगी जो कि मुख्य विनियम, आयात-निर्यात को सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से तथा भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाए। इस संदर्भ में कोई भी परिवर्तन जब और जैसा हो आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। इस बात का सुनिश्चय करने का उत्तरदायित्व संबद्ध भारतीय बैंक को होगा कि आयात दस्तावेज आयातकों को सोपने से पहले देय परमाणु परतारी लेखों में पूरी रूप से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि प्रत्यागमन परिस्थितियों में सोवियत-युद्ध प्राधिकारियों से पूरा हो जायेगा। आयातकों के बिना माल का विवरण प्राप्त कर लेने पर धराराजि नरकारी लेखों में शीघ्र जमा कर दी गई है। जित लेखा गोरे में उपर्युक्त दस्ता जमा करना चाहिए यदि आयातक माल की सुरक्षा लेने से पहले सरकार को देय धराराजि जमा करने में असमर्थ रह जाता है तो उसे और अधिकार पर जारी करना रोक दिया जाए। जित लेखा गोरे में उपर्युक्त दस्ता जमा करना चाहिए वह "के डिपोजिट एंड एडमिनिस्ट्रेशन 813 सिविज डिपोजिटम-डिपोजिटस फार परवेजि एटसेशन एकाइ-परवेजिज अम्बर राउट एड फाम दि गवर्नमेण्ट आफ जावात फार 1987-88 फाट फार परवेजि आफ दि फटिलाइजर सर्विसेज फार दि परवेजि आफ इन्फोसिज फूड प्रोबेक्शन इन इंडिया" होगा।

4.(2) जालन के घाए कोने में कोड नं. 5130000000 दर्जित हुए उल्लिखित धराराजि या गो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इंडिया सीमा हजारी दिल्ली में सरकार की साख में नकद जमा होनी चाहिए, या यदि यह सुविधाजनक न हो तो स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसके उपसंगी किसी भी राष्ट्रिय बैंक (गुण्डो कर्मा) में प्राप्त एक गुण्डो (डिमाण्ड ड्राफ्ट) के माध्यम से स्टेट बैंक आफ इंडिया सीमा हजारी साखा, दिल्ली-6 (गुण्डो साहय और प्रापक) में सार्वजनिक सूचना नं. 184—आई टी सी (पोएन)/68 दिनांक 30-8-1968 सं. 233—आई टी सी (पोएन) 68, दिनांक 24-10-68 सं. 132—आई टी सी (पोएन)/71 दिनांक 5-10-71, सं. 74—आई टी सी (पोएन) 74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103—आई टी सी (पी एन) 76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित नरकारी लेखों में जमा करने के लिए धन परवेजि करना चाहिए।

4.(3) सरकार द्वारा ऐसे माल किए जाने के बाद माल दिनों के भीतर संबद्ध भारतीय बैंक की उपर निर्धारित तरीके से यह अधिलिखित धराराजि सेवा शर्तों के निमित्त भेजेगा जो भारत सरकार द्वारा संतो जाए। आयात के विभिन्न आयातों को सरी समय आयातकों उनके बैंकों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना नं. 103—आई टी सी (पोएन) 76, दिनांक 12-10-76 के साथ पड़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना सं. 132—आई टी सी (पोएन) 71, दिनांक 5-10-71 के दौरा—2 में निर्धारित सूचना और सार्वजनिक सूचना सं. 74—आई टी सी (पोएन) 74 दिनांक 31-5-74 में निर्धारित सूचना आयात के कालम "अपरेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) पूर्ण व्यौर" में निरपवाद रूप से लिखित किए गए हैं। जजाना आयात में लिखित व्यौर निरपवाद रूप में प्रस्तुत करने चाहिए।

(क) निर निरालय भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की सं. और दिनांक

(ख) येन मुद्रा की प्र धराराजि जितके संबंध में प्रवाई गई परिवर्तन की दर साथ निशय किए जाने है।

(ग) जापानी संसरक को भुगतान करने की तिथि।

(घ) भुगतान गए आयात को धराराजि और वह अवधि जितके लिए वह गिना गया है।

(इ) जपान की गई कुल धराराजि।

(ध्यान की गणना जापानी संसरक को भुगतान की तिथि से सरकारी लेखों में समतुल्य रूपया जमा कराने की तिथि की तक की अवधि के लिए की जानी है।)

उसके पश्चात सी एए द्वारा जारी किए गए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देते हुए और अधिक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों की प्रतियों को संलग्न करते हुए जजाना आयात रूपया जमा करनेका साथ देते हुए एंजीकृत डाक द्वारा सी ए ए एण्ड ए की सेवा आना चाहिए।

टिप्पणी:— भारत में आयातक बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रूप का निक्षेप बैंक आफ इंडिया, टोकियो से आयातों की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलवान दस्तावेजों की प्रति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी ए ए एण्ड ए विल संवालय (आर्थिक कार्य विभाग), नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

4.(4) भारत में संबद्ध बैंक आफ इंडिया, को लाईसेंस की मुद्रा विनियम निक्षण प्रति पर रूपया निक्षेपों की धराराजि का पृष्ठांकन करना चाहिए। अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, लम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड—5 विविध प्रावधान

5.(1) अनुदान सहायता के उपयोग की रिपोर्ट

संसरक को दी गई धराराजि और किए गए भुगतान की तिथियों का पता करने के लिए आयातकों को अलग व्यवस्थाएं करनी चाहिए। आयातकों के बैंक द्वारा पोतलवान आदि दस्तावेजों की देरी अवधि बिलम्ब से प्राप्ति जमा किए गए रूप पर देय ब्याज की आर्थिक अवधि पूर्ण धराराजि की माफ करने के रूप में स्वीकार नहीं होगी।

5.(2) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक को पोत लवानों और उसके अधीन किए गए भुगतानों के संबंध में और जो पोतलवान होने वाली हैं, उसके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी ए ए एण्ड ए आर्थिक कार्य विभाग, जित संवालय नं. सी. आ. बैंक दिल्ली, संवेक मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

5.(2) आयात को चाहिए कि यह इस अनुदान सहायता के अंतर्गत प्राप्त के आयात से संबंधित किसी ऐसे विशेष शर्त से संसरक को अवगत करे जो सहायता के प्राप्ति करने में संसरकों पर प्रभाव डालती हो।

5.(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संसरकों के बीच यदि कोई विवाद होगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी।

बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतानों से पूर्व संसरक द्वारा पूरी की जानी वाली शर्त साफ-साफ "भुगतानों से नियमों में" अनुबन्ध-1 में आयातक द्वारा धराई जानी चाहिए। विवादों से निपटने की शर्त ठंके की शर्तों में शामिल होनी चाहिए।

5.(4) अन्वेषण अनुदेश

आयातकों या उनके संबंध में उत्पन्न किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित जापान से 1987-88 के लिए अनुदान सहायता के अन्वेषण सभी आयातों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए निदेशों या अनुदेशों या आदेशों का आयातक को तुरन्त पालन र।

5(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपयुक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात निर्यात (निर्यात) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

5(6) अनुबन्धों की सूची

अनुबन्ध—1 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी करने के लिए आवेदन करने का प्रपत्र

अनुबन्ध—2 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) का पत्र।

अनुबन्ध—1

“भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रदर्शना पत्र”

संख्या

दिनांक

सेवा में

सहायता सेवा तथा सेवा परीक्षा निदेशक,

भित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,

पू. सी. ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,

पासियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली—110001

विषय:—1987-88 के लिए येन 600 मिलियन की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में पत्तनों पर उर्वरक के परिवहन के लिए उर्वरक ग्वीर आवश्यक सेवाओं का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन जापान से उर्वरक के आयात के संबंध में हम आपको निम्नलिखित ग्वीर सेवाएं हैं जिससे कि आप संबंधित जापानी संस्करण के पक्ष में बैंक ऑफ इंडिया टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकरण पत्र (ए/पी) जारी कर सकें :—

- (क) भारतीय आयात का नाम और पता
- (ख) आयात साईंसेस की सं. दिनांक और मूल्य और वह तिथि जब तक यह वैध है।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके। क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित है या सीमित खुली निविदा पर आधारित है। इस मामले में कारणों सहित यह निविदा करना है कि क्या संविदा का निर्णय उपयुक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण
- (ङ) माल का उद्देश्य देश
- (च) संविदा का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन) में।
- (छ) यदि कोई हो तो, भारतीय रुपए में भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)
- (ज) वह शुद्ध लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिनके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।
- (झ) संस्करणों के साथ की गई संविदा का नाम और दिनांक
- (ञ) संस्करण का नाम और पता
- (ट) वे भुगतान शर्तें और संभावित तिथि जिनकी संविदाओं के अंतर्गत भुगतान देय होंगे।

(8) सुपुर्चगी पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथियाँ

(8) बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले वस्ताबेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान बरतति हुए)

(8) पोतलवान अनुदेश (बाह्यतरण पार्श्वपत्रों की अनुमति दी गई है या नहीं निविदा की जाएगी।

(ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता

(त) कृपया यह स्पष्ट करें कि भारतीय बैंक, टोकियो के बैंकिंग प्रचारों को कौन वहन करेगा आयातक अथवा संस्करण

(य) आयातक द्वारा वचनबद्धता:— (“हम एतद्वारा वचन देते हैं कि हम विदेशी संस्करण को बेय धनराशि के समतुल्य रुपए को पूर्ण धनराशि की सरकार द्वारा निर्धारित किया विधि से और प्रचलित दर पर सही रूप में जमा करवा देंगे। माल (आयातित सामग्री) के प्रत्येक परेवण की सुपुर्चगी प्राप्त करने से पूर्ण राशि सीधे ही जमा करवा दी जाएगी। विदेश राष्ट्रियों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संस्करण के संगत बीजक अनुमोदित किए जाते हैं और संस्करण को भुगतान किया जाता है वैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी।”

अनुबन्ध—2

भुगतान के लिए प्राधिकरण सं.

संख्या

एक

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में

बैंक ऑफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)

विषय:— 1987—88 के लिए येन 600 मिलियन की जापान अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में पत्तनों के लिए उर्वरक के परिवहन के लिए और आवश्यक सेवाओं का आयात भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपने बैंक के साथ 21-4-1988 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा परिशिष्ट में दिए गए यथा संलग्न ग्वीरे के अनुसार संबंधी -----को -----येन -----धन राशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावनी के बारे में संस्करण की सूचना दें और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र को एक प्रति जापान सरकार आयातक बैंक भारत राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाए।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यथा पोतलवान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. विदेशी संभरकों को भुगतान करने पर आपको

(आयातक का नाम और पता) को मूल पोतलदान दस्तावेजों (परकाम्प) और इसके साथ साथ दस्तावेजों का अतिरिक्त पूर्ण सैट और नकद भुगतान सहित, यदि कोई हो, संभरक को किए गए भुगतानों के लिए डेविट एडवांस की एक प्रति भेजनी चाहिए।

5. आयातक द्वारा आपको दस्तावेज संभरकों एवं बैंकों के प्रभार को भेजने आदि के भाड़े सहित अदा किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े आयातक के बैंक द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

6. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लवान दस्तावेज आदि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

7. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार-पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

8. यह भुगतान प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

9. कृपया संविदा से संबंधित सभी प्रभावों में और भुगतान को दर्शाने वाली एडवाइज में भी भुगतान के लिए इस प्राधिकार-पत्र के सिरे पर दिए गए नम्बर को लिखें।

अवधीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक को उनके पत्र सं. दिनांक के संदर्भ में उनसे अनुरोध है किया जाता है कि वे बैंकों से परकाम्प दस्तावेजों की सुपुर्ग, लेने से पूर्व अपने बैंकों के माध्यम से कपए निवेप आदि को जमा करवाने की व्यवस्था करें। यदि विशेष परिस्थितियों की वजह से मूल परिवहन दस्तावेज प्रस्तुत किए बिना सीमा शुल्क प्राधिकारियों और पत्तन के प्राधिकारियों से माल की सुपुर्ग सीधे ही प्राप्त करली हो, तो वहां सुपुर्ग प्राप्त करने से पूर्व धनराशि जमा करवानी चाहिए। विदेशी संभरकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही भुगतान के लिए बीजक अनुमोदित किए जाते हैं वैसे ही धनराशि जमा करवा देनी चाहिए। शीघ्र ही और सही रूप से धनराशि जमा करवाने में असमर्थ होने पर लाइसेंसिंग शर्तों में उल्लिखित कार्रवाई की जाएगी।

2. आयातक का बैंक

(1) यह भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र येन अनुदान के अंतर्गत आयात करने के लिए संबद्ध लाइसेंसिंग शर्तों के अधीन जारी किया गया है। लाइसेंसिंग शर्तें और संबद्ध सार्वजनिक सूचनाएं आदेश आदि को भेजा जाए और आयात विदेशी भुगतानों के विशेष में उचित कार्यवाई की जाए।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक प्राक इंडिया, टोकियो से दस्तावेज प्राप्त करने पर जापानी संभरकों को येन भुगतान के समतुल्य रकमा जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर कपए की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8-आई. टी. सी. (पी. एन.)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए, के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि की यथा प्रवर्तित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जाएगी। विदेशी संभरक को भुगतान

करने की तिथि से भारतीय बैंक को अदायगी करने की तिथि तक सरकार के लेखे में तुल्य रकमा जमा करने की अवधि के लिए सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई. टी. सी. (पी. एन.)/83, दिनांक 10-8-83, 35-आई. टी. सी. (पी. एन.)/83, दिनांक 26-8-1983 के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर पर और इसके अधिक की गणना की गई अवधि के लिए लिए 18% की दर से ब्याज भी सरकारी लेखे में जमा करना होगा। ब्याज दोनों दिनों के लिए देय होगा अर्थात् वह तिथि जिसकी विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह तिथि भी जिस दिन सरकारी लेखे में रकमा निवेश किया जाता है। (यदि इस दर में कोई परिवर्तन होगा तो इसकी सूचना तुरंत दी जाएगी)। इस बाद का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सीमा शुल्क निकासी के लिए आयातक को दस्तावेजों का मूल सैट बिंदु जाने से पूर्व यह धनराशि जमा कराई जाती है।

(3) चालान क बाएं कोने में कोड ~~100-375000000000~~ दर्शाते हुए ये धनराशि या तो रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसकी अनुगामी संस्थाओं या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी शाखा दिल्ली-6 (आदेशित और आवाता) के नाम में और उसी दिन दर्शनी हुण्डी के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 233 आई. टी. सी. (पी. एन.)/68, दिनांक 24-10-58, सं. 132-आई. टी. सी. (पी. एन.)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-आई. टी. टी. (पी. एन.)/74, दिनांक 31-5-74, और सं. 105-आई. टी. सी. (पी. एन.)/76, दिनांक 12-10-76 की शर्तों की ओर दिलाया जाता है। लेखा शीर्ष जिसमें धनराशि जमा की जाएगी वह "के डिपोजिट्स एंड एडवांसिज—843 सिविल डिपोजिट्स फार परचेजिस एटसैकड़ा एवाड परचेजिस/ग्राण्ट एडक्रोम दि गवर्नमेंट आफ जापान फार 1987-88 अंडर डिटेल्ड हंड "600 मिलियन येन ग्राण्ट एड फार परचेज आक फिलाइजर्स/सर्विसेज फार दि परचेज आफ इंडिजिनिंग फूड प्रोडिक्शन इन इंडिया है।"

(4) जिन मामलों में तुल्य रकमा रिजर्व बैंक आफ इंडिया नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई. टी. सी. (पी. एन.)/71 दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनमें चालान को मूल रूप में एक प्रतिलिपि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए प्रेषण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी :—

"लेखा तथा लेखा परीक्षा निर्यत्वक, वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), पहली मंजिल, यू.सी.ओ. बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

(5) जिस मामले में तुल्य रकमा उरर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपयुक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में ब्याज की चुकाई गई धनराशि और जिस अवधि के लिए ब्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए तुल्य कपए का पूरा ब्यौरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

(6) समुद्रपार संभरक के बैंक के खातों सहित यदि कोई हो तो, बैंकिंग अर्चे और बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच के अन्य अर्चे इंडियन बैंक और बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

(7) विदेशी मुद्रा में प्राधिकृत व्यापारी के रूप में बैंक के कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों को भारतीय रिजर्व बैंक के विनिर्देश एंडी परिश्रमों में निश्रित किए गए हैं। इस संबंध में विशिष्ट संदर्भ एंडी परिश्रम सं. 22 दिनांक 18-6-1977 को आर्कषित करता है।

3. भारतीय दूतावास, टोकियो।

4. अवर सचिव (जापान शाखा) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली को उनके आई डी सं. दिनांक के सन्दर्भ में।

(लेखा अधिकारी)

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

Public Notice No. 23-ITC(PN)88-91

New Delhi, the 6th July, 1988

Subject :—Licensing conditions for import of Fertiliser (DAP) from Japan under the Japanese grant aid of Yen 600 million for the year 1987-88.

F. No. IPC/23(41)/85-88.—The terms and conditions governing imports of Fertilisers (DAP) from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 600 million for the year 1987-88 as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

R. L. MISRA, Chief Controller
of Imports & Exports

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice No. 23-ITC(PN)88-91 dated 6-7-1988

Licensing Conditions for import of (a) fertilizer (DAP) and (b) Services necessary for transportation of the fertilizer to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1987-88 of Yen 600 million (₹ 600,000,000).

Section I General Conditions

I. (i) The Japanese Grant Aid for 1987-88 of Yen 600 million (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of fertilizer (DAP) and services necessary for transportation thereof to ports in India.

I. (ii) The import of fertilizer is covered under O.G.L. No. 6/85 dated 12-4-85.

I. (iii) The fertilizer (DAP) should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I. (iv) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese Suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follow :—

“delivery to be completed by 15-3-1989”

I. (v) The contract value (C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I. (vi) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese physical persons.

Section II The following provision should be specifically incorporated in the supply contract—

II. (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 21st April, 1988 between the Government of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 600 million for 1987-88 and will be subject to the approval of both the Governments.

II. (ii) Payments to the suppliers shall be made through an “Authorisation to pay” (A/B) which will be issued by the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1987-88.

II. (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japanese the other

II. (iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III Contract Approval by Governments of India & Japan.

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (T.C.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi five copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order Confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the “Request for issue of A/P”s in the form at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts on its price.

III. (i) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send 2 copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1987-88 of Yen 600 million and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India, Tokyo simultaneously.

III. (ii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an "Authorisation to Pay" (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III. (iv) On receipt of the Authorisation to pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the CAA&A.

III. (v) The Japanese Supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III. (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's Bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV. Responsibility for rupee deposit

IV. (i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's Bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12 per cent per annum for the first thirty days and at 18 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India's account in terms of the Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83 and No. 35-ITC(PN)/83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which rupee deposited is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated

31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the India Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the imported documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further "A/P" to him may be stopped. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Peports and Advances-843-Civil Deposits--Deposits for purchases etc., abroad purchase under Grant Aid from the Government of Japan for 1987-88 Grant for purchase of fertilizer/services for the purpose of increasing food production in India."

IV. (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any of the Nationalised Banks (Drawer drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6, drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-68 and No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV. (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in page 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority

(if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :—

(a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and Date.

(b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.

(c) Date of payment to the Japanese supplier.

(d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.

(e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice for payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance, (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V : Miscellaneous Provisions.

V (i) Reports on the utilisation of the Grand Aid

The importers should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Date or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker will not be acceptable as a reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

V (ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute.

If any that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier refers Payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V (iv) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions, instruction or orders issued by the Government to India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1987-88 from Japan.

V (iv) Future Instructions

Any breach or violation for conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V (vi) List of Annexures

Annexure I : Request for issue of A/P

Annexure II : Form of A/P.

ANNEXURE-I

REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY

No.

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Subject :—Import of fertilizer and services necessary for the transportation of the fertilizer to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 600 million for 1987-88

Sir,

In connection with the import of fertilizer from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned :—

(a) Name and address of Indian importer.

(b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.

(c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.

- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission in (Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F Value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Number and date of the contract with Japanese Suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese Supplier.
- (k) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion at the time of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transshipment/part shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of the Importer's bank in India.
- (p) Who will bear the banking charges of the Bank of India, Tokyo—importer or supplier, please specify.
- (q) Undertaking by the Importers "We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to suppliers".

Yours faithfully,

No.

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan)

Subject :—Import of fertilizer and services necessary for the transportation of the fertilizer to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 600 million for 1987-88—Issue of Authorisation to pay.

1796 GI/88—2

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 21-4-88 entered into with your Bank you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen _____ to M/s. _____ as per details given in the Appendix.

2. Please advise the supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. On making payment to the foreign suppliers, you should send to _____ (Name & address of importers Banker) the original shipping documents (negotiable as well as additional complete set of the documents and a copy the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any).

5. Banking charges including charges for handling document and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer, bank.

6. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's bank.

7. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific Authority from this Ministry.

8. This A/P will remain valid upto _____.

9. Please quote the number given at the top of this Authorisation to Pay in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,

Accounts Officer

Copy forwarded to :—

1. Importer—_____ with reference to their letter No. _____ dated _____. They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port Authorities without furnishing the original shipping documents, deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign Nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importers' Banker—

(i) This Authorisation to Pay is issued under the relevant Licensing Conditions governing the imports under Yen grants. The licensing conditions and connected Public Notices/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of the documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India's account in terms of Public Notices No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-1983 and No. 35-ITC(PN)/83 dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the date on which rupee deposit is made into the Government account. (Any change in this rate will be notified if when made).

It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

(ii) These amounts should be deposited either with RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I. Tis Hazari, Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/

74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76. The head of account to be credited is "K—Deposits & Advances—843-CIVIL Deposits—Deposit for purchases etc. abroad—Purchases under Grant Aid from Govt. of Japan" for purchases of fertilizer services for the purpose of increasing food production in India.

(iv) One copy of the Challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-71 should be sent by them to the address given below along with a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notices dated 14-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited along with the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

(vi) The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and B.O.I., Tokyo.

(vii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in foreign exchange are prescribed in various A.D. Circular of the RBI. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dated 18-6-1977.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (Japan Section), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi with reference to I.D. No. ————dated———

ACCOUNTS OFFICER.